क्या भरोसा है इस ज़िंदगी का

क्या भरोसा है इस ज़िंदगी का
साथ देती नहीं यह किसी का

सांस रुक जाएगी चलते चलते,
शमा बुज जाएगी जलते जलते ।
दम निकल जायेगा रौशनी का ॥
क्या भरोसा है...

हम रहे ना मोहोबत रहेगी,
दास्ताँ अपनी दुनिया कहेगी ।
नाम रह जाएगा आदमी का ॥
क्या भरोसा है...

दुनिया है इक हकीकत पुरानी,
चलते रहना है उसकी रवानी ।
फर्ज पूरा करो बंदगी का ॥
क्या भरोसा है...

स्वर : ओसमान मीर

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/992/title/kya-bharosa-hai-is-jindagi-ka-sath-deti-nahi-yeh-kisi-ka

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |